आइबीएम संग लखनऊ को बनाएंगे एआइ सिटी

मुख्यमंत्री ने सुशांत गोल्फ सिटी में किया आइबीएम एआइ गव-टेक इनोवेशन सेंटर का उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ: राजधानी को देश की अग्रणी एआइ सिटी बनाने की दिशा में उप्र ने कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राजधानी की सुशांत गोल्फ सिटी में आइबीएम एआइ गव-टेक इनोवेशन सेंटर का उद्घाटन करते हुए कहा कि तकनीक के माध्यम से आम नागरिक के जीवन में ठोस बदलाव लाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा जताया कि आइबीएम के सहयोग से प्रदेश डीप टेक, क्वांटम कंप्यूटिंग और एआइ आधारित प्रशासन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुएगा और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि आइबीएम ने देश का पहला कंप्यूटर आइआइटी कानपुर में स्थापित कर भारत की तकनीकी यात्रा में योगदान दिया था। अब वही सहयोग प्रदेश को नई तकनीकी ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद करेगा। कहा कि गौतमबुद्धनगर में प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट की आधारशिला रखी गई है, जिससे राज्य हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग का नया केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मेडटेक, ड्रोन टेक्नोलाजी और रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों में पहले से सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित किए जा रहे हैं। एआइ इनोवेशन सेंटर इस श्रृंखला को और मजबूत करेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि आइआइटी कानपुर, आइबीएम और राज्य सरकार मिलकर इस दिशा में बड़ा अभियान शुरू कर सकते हैं। एआइ की उपयोगिता समझाते हुए योगी ने कहा कि पहले प्रदेश में इंसेफेलाइटिस से हजारों बच्चों की मौत होती थी, लेकिन जब डाटा एकत्र कर उसका विश्लेषण किया गया तो बीमारी के कारणों की सही पहचान संभव हुई।

आइबीएम की टीम ने भरोसा दिलाया कि लखनऊ में वर्तमान में कार्यरत लगभग 200 इंजीनियरों की संख्या बढ़ाकर 2000 तक की जाएगी। इससे प्रदेश के युवाओं को उच्च स्तरीय रोजगार और कौशल विकास के नए अवसर मिलेंगे। आइबीएम के चेयरमैन, प्रेसिडेंट और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरविंद कृष्णा ने कहा कि एआइ से सरकारों की कार्यक्षमता और आर्थिक प्रतिस्पर्धा को नई दिशा मिल रही है।

कार्यक्रम में आइबीएम इंडिया एवं साउथ एशिया के प्रबंध निदेशक संदीप पटेल, आइआइटी कानपुर के निदेशक प्रोफेसर मणींद्र अग्रवाल सहित अन्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को सुशांत गोल्फ सिटी में आइबीएम एआइ गव-टेक इनोवेशन सेंटर का उद्घाटन करते हुए ● सूचना विभाग

दीर्घकालीन विकास लक्ष्यों को एआइ आधारित प्रशासन से जोड़ा जाएगा

आइबीएम और उप्र सरकार के बीच दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। इन समझौतों के माध्यम से राज्य के दीर्घकालीन विकास लक्ष्यों को एआइ आधारित प्रशासन से जोड़ा जाएगा। आइटी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग के साथ मिलकर यह सेंटर विभिन्न विभागों में एआइ आधारित समाधान विकसित करेगा और डिजिटल व एआइ क्षमताओं को मजबूत करेगा। इसके अलावा, स्कूल शिक्षा निदेशालय के सहयोग से कक्षा छठी से 12 तक के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए एआइ साक्षरता कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इससे छात्रों और शिक्षकों को एआइ की बुनियादी समझ, व्यावहारिक अनुभव और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक कौशल मिल सकेंगे।

मुख्यमंत्री की सिंगापुर यात्रा से निवेश और कौशल विकास को नई गति मिलने की उम्मीद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को सिंगापुर रवाना हो गए। वह 24 फरवरी तक वहां रहेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य उत्तर प्रदेश और सिंगापुर के बीच आर्थिक सहयोग, संस्थागत साझेदारी तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करना है। यह दौरा भारत और सिंगापुर के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रोडमैप के अनुरूप है, जिसमें आर्थिक सहयोग, डिजिटलाइजेशन, कौशल विकास, सतत विकास, कनेक्टिविटी और उन्नत विनिर्माण को प्रमुख प्राथमिकताओं के रूप में चिह्नित किया गया है। हरित ऊर्जा और औद्योगिक विकास क्षेत्रों में निवेश को लेकर भी चर्चा होगी।

सिंगापुर भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का सबसे बड़ा स्रोत है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान सिंगापुर से भारत को 14.94 अरब अमेरिकी डालर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री सिंगापुर के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व के साथ उच्चस्तरीय बैठकें करेंगे। इनमें सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगारत्नम, प्रधानमंत्री लारेंस वोंग, विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन, मानव संसाधन मंत्री तथा ऊर्जा व विज्ञान प्रौद्योगिकी के प्रभारी मंत्री टैन सी लेंग शामिल हैं।

पूरी खबर पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें